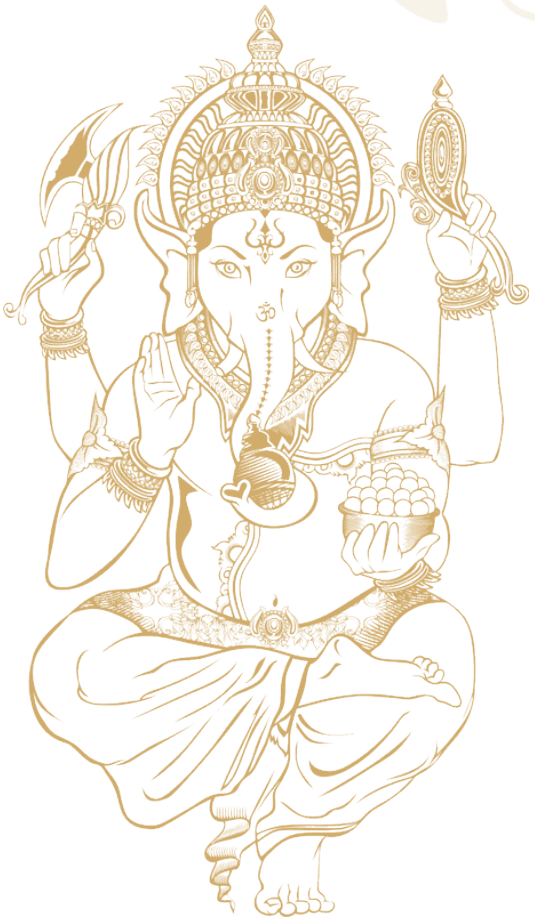

carol

04 Apr 2007

03:55 PM

Nagpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121172906

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/04/2007**
दिवस	बुधवार
जन्म समय	**15:55:00 कला**
इष्ट	24:36:09 घटी
स्थान	**Nagpur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	79:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:12 कला
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 कला
स्थानिक वेल	15:41:48 कला
वेलान्तर	-00:03:08 कला
साम्पातिक वेल	04:31:15 कला
सूर्योदय	06:04:32 कला
सूर्यास्त	18:28:31 कला
दिनमान	12:24:00 कला
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्याचे अंश	20:18:57 मीन
लग्नाचे अंश	15:25:08 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	सिंह – रवि
राशि–स्वामी	**तुला – शुक्र**
नक्षत्र–चरण	**स्वाति – 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	हर्षण
करण	गर
गण	देव
योनि	महिषी
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रू–रूपा
पाया(राशि–नक्षत्र)	ताम्र – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा त्यांची स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	15:25:08	332:53:46	पू.फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	———
सूर्य			मीन	20:18:57	00:59:06	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	08:54:54	11:51:14	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगळ			कुंभ	04:33:26	00:46:01	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगळ	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	26:00:13	01:27:02	पू.भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	25:48:55	00:00:18	ज्येष्ठा	3	18	मंगळ	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मेष	27:00:53	01:11:04	कृतिका	1	3	मंगळ	सूर्य	सूर्य	सम राशि
शनि	व		कर्क	24:24:40	00:01:39	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	21:59:19	00:04:52	पू.भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:59:19	00:04:52	पू.फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	22:22:41	00:03:08	पू.भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	———
नेप			मक	27:23:36	00:01:33	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगळ	गुरु	———
प्लूटो	व		धनु	05:00:15	00:00:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगळ	———
दशम भाव			वृष	15:31:31	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट
लाहिरी अयनांश : 23:57:34

लग्न–चलित

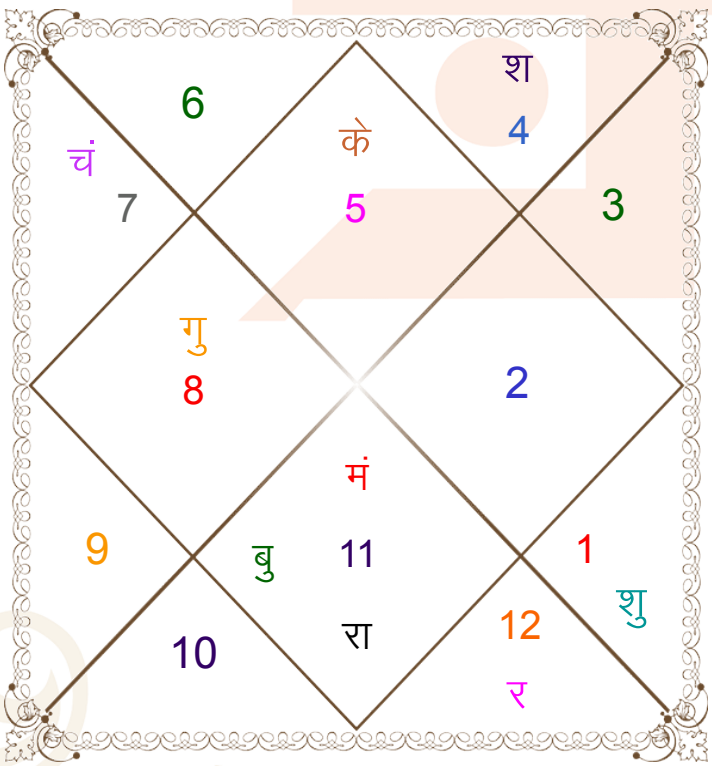

चन्द्र कुंडली

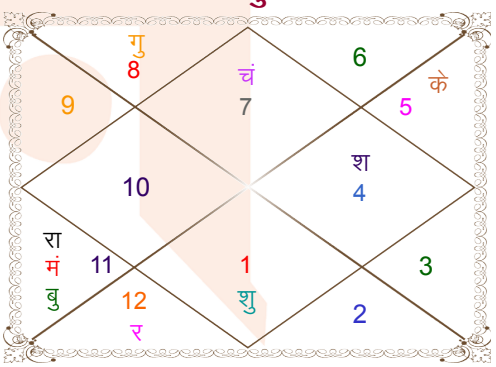

नवमांश कुंडली

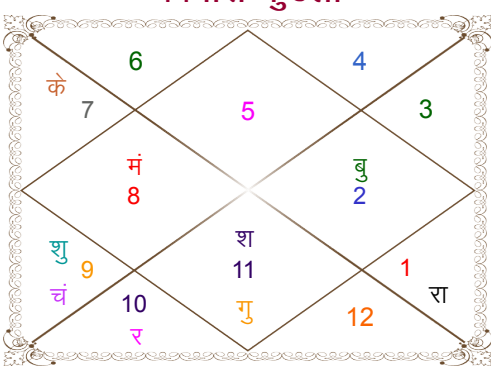

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा वेल : राहु 14 वर्ष 11 महिना 17 दिवस

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/04/2007		22/03/2022		22/03/2038		22/03/2057		22/03/2074	
22/03/2022		22/03/2038		22/03/2057		22/03/2074		22/03/2081	
	04/04/2007	गुरु	09/05/2024	शनि	25/03/2041	बुध	18/08/2059	केतु	18/08/2074
गुरु	27/04/2009	शनि	21/11/2026	बुध	03/12/2043	केतु	15/08/2060	शुक्र	18/10/2075
शनि	03/03/2012	बुध	25/02/2029	केतु	11/01/2045	शुक्र	16/06/2063	सूर्य	23/02/2076
बुध	21/09/2014	केतु	01/02/2030	शुक्र	12/03/2048	सूर्य	21/04/2064	चंद्र	23/09/2076
केतु	09/10/2015	शुक्र	02/10/2032	सूर्य	22/02/2049	चंद्र	20/09/2065	मंगळ	19/02/2077
शुक्र	09/10/2018	सूर्य	22/07/2033	चंद्र	24/09/2050	मंगळ	18/09/2066	राहु	10/03/2078
सूर्य	03/09/2019	चंद्र	21/11/2034	मंगळ	03/11/2051	राहु	06/04/2069	गुरु	14/02/2079
चंद्र	04/03/2021	मंगळ	27/10/2035	राहु	08/09/2054	गुरु	13/07/2071	शनि	25/03/2080
मंगळ	22/03/2022	राहु	22/03/2038	गुरु	22/03/2057	शनि	22/03/2074	बुध	22/03/2081

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगळ 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/03/2081		23/03/2101		23/03/2107		23/03/2117		23/03/2124	
23/03/2101		23/03/2107		23/03/2117		23/03/2124		00/00/0000	
शुक्र	21/07/2084	सूर्य	10/07/2101	चंद्र	22/01/2108	मंगळ	19/08/2117	राहु	04/12/2126
सूर्य	22/07/2085	चंद्र	09/01/2102	मंगळ	22/08/2108	राहु	06/09/2118	गुरु	05/04/2127
चंद्र	22/03/2087	मंगळ	17/05/2102	राहु	21/02/2110	गुरु	13/08/2119		00/00/0000
मंगळ	21/05/2088	राहु	11/04/2103	गुरु	23/06/2111	शनि	21/09/2120		00/00/0000
राहु	22/05/2091	गुरु	28/01/2104	शनि	21/01/2113	बुध	18/09/2121		00/00/0000
गुरु	20/01/2094	शनि	09/01/2105	बुध	22/06/2114	केतु	15/02/2122		00/00/0000
शनि	22/03/2097	बुध	15/11/2105	केतु	21/01/2115	शुक्र	17/04/2123		00/00/0000
बुध	21/01/2100	केतु	23/03/2106	शुक्र	21/09/2116	सूर्य	22/08/2123		00/00/0000
केतु	23/03/2101	शुक्र	23/03/2107	सूर्य	23/03/2117	चंद्र	23/03/2124		00/00/0000

- वरील दशा चन्द्रमा चे अंशा चे आधार वर्ती दीलेली आहे. भयात भभोग चे आधार अनुसार दशाच्या भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 11 मा 15 दि होता आहेत.
- वरील दिनांक दशा समाप्ति चा समय दाखवते. विंशोत्तरी दशा पूर्ण 120 वर्षाची बिना आयुनिर्णय दिलेली आहे.

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।